डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 57 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 09 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

अब कड़ाके की ठंड के आसार

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में अगले 24 घंटे में ठंड बढने कि संभावना है। ऐसा वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से होगा। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ की वजह से प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र के 13 जिलों में बारिश के आसार है। इससे मालवा क्षेत्र में ठंड बढ जाएगी। सोमवार को इस सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हो सकता है। रविवार को जिले में अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री के आसपास बना हुआ है। पूर्वी क्षेत्र में बारिश और बर्फीली हवाओं से तापमान में तेजी से गिरावट आएगी। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण उत्तरी इलाकों और पहाड़ों पर मौसम बदल सकता है। इस दौरान पहाड़ों पर बर्फबारी भी हो सकती है। ऐसा होने पर बर्फ पिघलने के बाद बर्फीली हवा प्रदेश में आएगी।

फर्जीवाड़े की जांच तक नहीं कर रहा परिवहन विभाग..!

कबाड़ के पार्ट्स से असेंबल होती बसें, एक ही नंबर और परमिट पर दौड़ रही दो-दो बसें..!

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले से गुजर रही या मंदसौर जिले में चल रही बसों में भी तगडा खेल किया गया है। कबाड के पार्ट्स से असेंबल एक ही नंबर और परमिट की बसें जिले की सडको से गुजर रही है। चंद रुपए बचाने के लिए बस मालिक नियमों की अनदेखी करते हैं। एक ही नंबर और परमिट पर दो-दो बसें दौडाते रहते हैं। कबाड से पार्ट्स लेकर बसें असेंबल की जाती हैं। इसकी जानकारी भी परिवहन विभाग को नहीं दी जाती। कुछ बस चालकों से इस पूरे खेल के बारे में चर्चा में कई बहुत कुछ सामने आया। इधर परिवहन विभाग इस मामले में बसों की जांच करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। हादसे के बाद एक दो दिन परिवहन विभाग की बाबू दो - तीन कर्मचारियों के साथ बसों के कागजात देखकर औपचारिकता पूरी करती नजर आ जाती है। बता दे कि कुछ माह पहले गुना में हुए हादसे में तेरह लोगों की बस में जिंदा जलने से मौत हो गई। गुना मे जिस बस में हादसा हुआ उसका नंबर फर्जी था। नंबर प्लेट, परमिट और फिटनेस में भी बडा खेल किया गया था।

यह है बस बनने और रजिस्ट्रेशन की प्रोसेस...

चेसिस किसी भी चार पहिया वाहन का आधार होता है, जिस पर पूरा ढांचा खडा होता है। बस मालिकों को वाहन कंपनी से चेसिस ही मिलता है। अलग-अलग सिटिंग कैपेसिटी के हिसाब से चेसिस होता है। इसे एक नंबर भी दिया जाता है। इसके बाद बस ऑपरेटर अपने हिसाब से उस पर बॉडी बनवाते हैं। बॉडी बनाने वाली कंपनियां भी रजिस्टर्ड होती हैं। नियमानुसार तैयार बस को रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस ले जाया जाता है। रजिस्ट्रेशन के पेपर्स में बस का इंजन नंबर, चेसिस नंबर, मॉडल नंबर, रजिस्ट्रेशन तारीख, कलर, सिटिंग कैपेसिटी, व्हील बेस, मालिकाना हक, बीमा और रजिस्ट्रेशन की वैलेडिटी समेत अन्य जानकारियां दर्ज की जाती हैं। इसके बाद ही गाडी रोड पर आती है।

इसके बाद ऐसे होता है खेल...

पहला - बस मालिक के पास कई गाड़ियां होती हैं। होता यूं है कि कोई नई गाडी एक्सीडेंट में डैमेज हो गई। उसमें से अच्छे

पार्ट्स निकलवाकर दूसरी पुरानी गाड़ियों में लगवा देते हैं। जबकि, उसके आरटीओ नंबर पर पुरानी गाडी चलाते हैं। किसी गाडी का चेसिस या दूसरा पार्ट खराब हो गया हो, पुराना या टूट-फूट गया हो तो कई बार बस ऑपरेटर या तो नया चेसिस खरीदते हैं या कबाड से ले लेते हैं। उस पर पुरानी बस की बॉडी लगवा लेते हैं। नियमानुसार यदि बस का चेसिस बदला जाता है, तो आरटीओ को जानकारी देना जरूरी है। रजिस्ट्रेशन में भी अपडेट कराना होता है। लेकिन, पैसे बचाने के लिए अधिकांश बस ऑपरेटर ऐसा नहीं करते।

दूसरा- जुगाड़ से बनवा लेते हैं पूरी बस...

खेल करने वाले बस ऑपरेटर पूरी बस ही जुगाड से बनवा लेते हैं। जैसे- इंजन कहीं से खरीद लिया, चेसिस कबाड से ले लिया। इसी तरह, अन्य पार्ट्स भी जुगाड़ कर बस तैयार करवा ली। बस का रजिस्ट्रेशन कराने की जगह किसी दूसरी बस की नंबर प्लेट इस पर लगा देते हैं। ऐसे में आरटीओ के पास यह जानकारी ही नहीं होती कि ये कौनसी बस है। वह केवल नंबर प्लेट ही देखते हैं। उसके उसी हिसाब से दस्तावेज देख लेते हैं।

तीसरा- एक ही नंबर और परमिट पर दो गाड़िया...

कई बस ऑपरेटर एक ही नंबर और परमिट पर दो गाड़ियां चलाते हैं। कई गाडियों से आरटीओ रजिस्ट्रेशन

चेसिस, इंजन का फिजिकल वेरिफिकेशन नहीं...

जब आरटीओ अमला या पुलिस बस को चेकिंग के लिए रोकते हैं, तो वह दस्तावेज ही चेक करते हैं। नंबर प्लेट देखकर दस्तावेज चेक होते हैं। चेसिस, इंजन का फिजिकल वेरिफिकेशन नहीं करते। यानि अमला दस्तावेजों में तो चेसिस नंबर, इंजन नंबर देख लेता है, लेकिन गाडी में वही चेसिस और इंजन लगे हैं, इसकी जांच नहीं होती। इसी का फायदा बस ऑपरेटर उठाते हैं।

में लिखे चेसिस नंबर, इंजन नंबर इसलिए नहीं मिलते क्योंकि गाडी ही दूसरी होती है। जैसे- एक बस का आरटीओ नंबर दूसरे की बस पर लगाकर चलाओ। कई लोग तो परमिट भी जालसाजी से बनवा लेते हैं। अगर नियमानुसार गाडी की जांच की जाए, तभी फर्जीवाडा पकड में आता है।

बोर्ड परीक्षा : पैटर्न में बदलाव, जारी किया सैंपल पेपर

नान प्रैक्टिकल विषयों का पेपर 80 अंक का होगा

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होगी। विद्यार्थियों को तैयारी करने के लिए करीब ढाई माह का समय शेष है। मंडल ने विद्यार्थियों को बदले पैटर्न पर परीक्षा की तैयारी कराने के लिए सैंपल पेपर वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। इसमें प्रत्येक विषय के प्रश्नों का पैटर्न और अंकयोजना को अपलोड किया है। 10वीं का प्रश्नपत्र 75 अंक का और आंतरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। वहीं 12वीं का प्रैक्टिकल वाले विषयों का पेपर 80 अंक का और 20 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा। नान प्रैक्टिकल वाले विषयों का पेपर 80 अंक का होगा। इस बार दो अंक के छोटे-छोटे प्रश्न ज्यादा हल करने होंगे। वस्तुनिष्ठ प्रश्न 30 अंक के होंगे और इस बार दीर्घउत्तरीय प्रश्नों की संख्या कम होंगी। स्कूलों में सैंपल पेपर से तैयारी कराने के निर्देश दिए गए हैं।साथ ही छमाही परीक्षा के बाद भी कक्षा लगाकर तैयारी कराई जाएगी। दरअसल

एमपी बोर्ड जुलाई में सभी विषयों के चैप्टरों का समूह बनाकर अंक योजना जारी कर चुका है।

विषय के समूह बनाकर जारी किए गए है अंक...

माशिमं की 10वीं व 12वीं परीक्षा में पिछले साल तक विषयवार चैप्टरों के अनुसार अंक योजना निर्धारित की थी। इसमें बताया गया था कि किस विषय का कौन सा चैप्टर से कितने अंक के प्रश्न पेपर में आएंगे, लेकिन इस बार इसमें बदलाव किया गया है। वर्ष 2024-25 की परीक्षा में विषय चैप्टरों का समूह बनाया गया है।

छुट्टी के दिन भी लग रही है कक्षाएं...

भोपाल के कई स्कूलों में रविवार और त्योहार के दिन भी अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जा रही हैं। सीएम राइज स्कूलों में कमजोर विद्यार्थियों को चयनित कर उनकी जिम्मेदारी शिक्षकों को अलग से दी गई है। सीएम राइज स्कूल के प्राचार्य ने बताया कि 10वीं व 12वीं में कमजोर विद्यार्थियों को चयनित किया गया है। उनकी विशेष तैयारी कराई जा रही है।

12वीं में नान प्रैक्टिकल विषय...

प्रश्नपत्र -	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन -	20 अंक

इस तरह का होगा प्रश्नों का पैटर्न

वस्तुनिष्ठप्रश्न -	32 अंक
10 प्रश्न - दो अंक(शब्द संख्या) -30 शब्द -	20 अंक
चार प्रश्न - तीन अंक (शब्द संख्या) - 75 शब्द -	12 अंक
चार प्रश्न - चार अंक(शब्द संख्या) -120 शब्द -	16 अंक
प्रैक्टिकल वाले विषय के प्रश्नपत्र-	70 अंक
प्रैक्टिकल -	30 अंक
10वीं का प्रत्येक विषय का प्रश्नपत्र -	75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन -	25 अंक

इस तरह का होगा प्रश्नपत्रों का पैटर्न

वस्तुनिष्ठप्रश्न -	छह
रिक्त स्थानों की पूर्ति -	छह अंक
सही गलत प्रश्न -	छह अंक
सही जोड़ी बनाओ -	छह अंक
एक वाक्य में उत्तर -	छह अंक
12 प्रश्न - दो अंक - (शब्द संख्या 30 शब्द)	24 अंक
तीन प्रश्न - तीन अंक - (शब्द संख्या 75 शब्द)	नौ अंक
तीन प्रश्न - चार अंक - (शब्द संख्या 120 शब्द)	12 अंक

गुड़भेली में पकड़ाया डोडाचूरा, 5 आरोपी नामजद

पिपलियामंडी, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने रविवार सुबह 6 बजे करीब गांव गुडभेली बडी में करीब 2 क्विंटल डोडाचूरा पकडा है। इस मामले में 5 आरोपियों को पकडने की खबर है। जानकारी के अनुसार पिपलिया पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रविवार को सुबह गांव गुडभेली बडी में एक कार में डोडाचूरा तस्करी करते तीन आरोपियों को पकडा। इनके कब्जे से बिना चीरा लगा करीब 2 क्विंटल डोडाचूरा बरामद हुआ। मामले में पुलिस ने परमेश्वर व पुष्कर को हिरासत में लिया है। इनके अलावा तीन आरोपियों को भी नामजद किया। टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया आरोपियों से पूछताछ जारी है, शीघ्र पूरे मामले का खुलासा करेंगे।

ट्रेक्टर सहित कुए में गिरे किसान का शव निकाला

पिपलियामंडी, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। ट्रेक्टर सहित कुए में गिरे किसान का शव रात्रि 1 बजे कुए से निकाला जा सका। जानकारी के अनुसार नाहरगढ थानान्तर्गत गांव टिडवास में शनिवार शाम 4.30 बजे करीब खेत हकाई के दौरान ट्रेक्टर.. **शेष पेज 4 पर**

जमीन विवाद में गोली मारकर हत्या करने वाले गिरफ्तार

सरकारी जमीन पर कब्जे के लिए हुआ था विवाद, 24 घंटे में ही आठ आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

गरोठ, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के ग्राम ढाकनी में शासकीय जमीन पर कब्जे की बात को लेकर हुए विवाद में एक महिला की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड से जुड़े आठ आरोपियों को पुलिस ने महज 24 घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया।

गरोठ पुलिस ने बताया कि 6 दिसंबर को आरोपी ग्राम जोडमा के सरंपच पति नरेन्द्र सिंह व उसके साथी जेलरसिंह निवासी जोड़मा, जुगल किशोर धाकड़ निवासी बर्डीया इस्तमुरार, प्रधान सिंह निवासी जोडमा , नारायणसिंह निवासी ढाकनी, जेलरसिंह निवासी बर्डीया इस्तमुरार व अन्य साथियो के साथ मिलकर फरियादी सुखदेव मेघवाल की ग्राम ढाकनी में कब्जे वाली शासकीय जमीन पर बनी टापरी को तोड़कर कब्जा हटाने के लिए पहुंचे थे। जहां हुए विवाद में फरियादी व उसके परिजन ने विरोध किया तो उन्हें जान से मारने की नियत से लाठी डण्डो से मारपीट कर फायर किया गया। जिसमें एक महिला की मौत हो गई।

घटना के बाद पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपियो के विरूद्ध थाना गरोठ पर अपराध धारा 103(2), 191(2), 191(3), 115(2), 351(3) बीएनएस व 25, 27 आर्म्स एक्ट व 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(va) sc,st act का पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तत्काल प्रयास शुरू किया। पुलिस ने अलग-अलग टीम में बनाकर विभिन्न क्षेत्रों में भेजी और 24 घंटे में ही घटना से जुड़े सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से घटना में उपयोग किए गए वाहन ट्रेक्टर व कारें, आलाजरब बन्दुके , लट्ठ डण्डे जप्त किया जाना है जिसके लिए पुलिस प्रयास कर रही है।

आपस में ही भीड़ गए कांग्रेसी...

युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत की होड़ में धक्का-मुक्की; बीच सड़क पर हुई झड़प

नीमच, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर में आए युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के सामने कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। जमकर धक्का-मुक्की और बहस हुई। दरअसल युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव रविवार को नीमच आए। उनके सामने ही कार्यकर्ता भीड़ लिए। खुद उन्होंने कार्यकर्ताओं को अलग कर मामला शांत कराया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

रविवार दोपहर भारतीय युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव नीमच दौरे पर आए थे। जहां जगह-जगह उनका स्वागत किया गया। स्वागत की इसी होड में कार्यकर्ताओं में आपस में विवाद हो गया। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव बाइक पर सवार होकर नीमच के फ्रूट मार्केट चौराहा पर पहुंचे थे। यहां युवक कांग्रेस के नेताओं ने उनका स्वागत किया। यहां से प्रदेश अध्यक्ष जिला कांग्रेस कार्यालय तक पैदल जाना चाहते थे। लेकिन एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष महेश यादव उन्हें अपनी बाइक पर बैठाकर ले जाना चाहते थे। जबकि, युवक कांग्रेस के नेता वैभव अहीर उन्हें पैदल ले जाने लगे। इस बात पर दोनों नेताओं में विवाद हो गया। नौबत धक्का-मुक्की की आ गई। इस दौरान उनके समर्थक भी आपस में झूमाझटकी करने लगे। कार्यकर्ताओं को आपस में भिड़ते देख खुद युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव और अन्य नेताओं ने उन्हें अलग किया और मामला शांत कराया।

प्रदेश अध्यक्ष बोले- ये कार्यकर्ताओं का जोश-इस मामले पर युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव ने कहा-जब जोश होता है, उमंग होती है, तो किसी का पैर किसी के पैर पर, किसी का हाथ किसी पर आ जाता है, यह तो अच्छी बात है। इससे आपको देखने को मिल रहा है कि जोश हम में बहुत है। रही बात अनुशासन की तो हम उसके लिए कैंप लगा रहे हैं। जहां अनुशासन का पाठ होगा और आप जिन छोटी कमियों की बात कह रहे हैं वह दूर हो जाएगी।

यह कांग्रेस का चरित्र-नीमच भाजपा जिला अध्यक्ष पवन पाटीदार ने इस मामले पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ये कांग्रेस का मूल स्वभाव है। कांग्रेस में व्यक्तिगत हितों के लिए राजनीति होती है। जो इनका मूल चरित्र है। जबकि भाजपा का कार्यकर्ता राजनीति में देश और समाज के लिए काम करता है।

पूर्व सरपंच के बेटे के अपहरण का मामला...

अपहरण के पीछे असल कहानी की तलाश पुलिस को

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पूर्व सरपंच के पुत्र के अपहरण के बाद वह घायलावस्था में मिल गया। लेकिन, पुलिस की जांच पडताल अभी जारी है। जिले के शामगढ थाना क्षेत्र के बनी गांव में शनिवार रात को पूर्व सरपंच चंदर सिंह मंडलोई के बेटे यशवंत सिंह मंडलोई उम्र 27 वर्ष का उसके खेत से अपहरण हो गया था। परिजनों से फोन पर बात कर कथित रूप से 50 हजार की फिरौती मांगी गई थी। रात साढे 10 बजे अपहृत युवक सडक किनारे घायल अवस्था में मिला था, उसके हाथ पैर रस्सी से बंधे थे। पीडित ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि करीब 4-5 कंजरों ने उसे हथियार के दम पर किडनैप किया था। अब पुलिस अपहरण के पीछे की असल कहानी तलाश कर रही है।

ग्रामीणों ने किया एक्सप्रेस वे जाम...

शाम 7 बजे परिजनों को कॉल आया, कालर ने कहा कि, यशवंत सिंह मंडलोई का अपहरण कर लिया है। 50 हजार दो और उसे ले जाओ। अपहरण की खबर के बाद गांव में हडकंप मच गया। करीब डेढ हजार ग्रामीणों ने 8 लेन एक्सप्रेस वे पर चक्का जाम कर दिया। मौके पर एसडीओपी दिनेश प्रजापति, सुवासरा टीआई कमलेश प्रजापति, चौकी प्रभारी विकास गहलोत मौके पर पहुंचे। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने ग्रामीणों के साथ सर्चिंग शुरू की। रात 10.30 बजे बनी-बापच्या गांव के सडक किनारे अपहृत युवक संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। उसके हाथ पैर बंधे हुए थे। पुलिस ने तत्काल उसे शामगढ अस्पताल में भर्ती करवाया।

कारण तलाश रही पुलिस...

रातभर ऑब्जर्वेशन और उपचार के बाद पुलिस ने सुबह पीडित युवक के बयान लिए है। पीडित ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह खेत पर ट्रैक्टर से हकाई का काम कर रहा था। इसी दौरान हथियार बंद 4-5 कंजरों ने उसका अपहरण कर लिया। उसके हाथ पैर बांध दिए थे। हल्ला मचा तो आरोपी उसे छोडकर भाग गए। हालांकि अपहरण की यह कहानी पुलिस के गले नही उतर रही है। पीडित के बयानों को अब क्रॉस चेक किया जाएगा। इसके साथ ही पुलिस घटनास्थल के आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों के बयान और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि अपहरण की असल कहानी सामने आ सके।

युवक स्वस्थ्य, परिजन घर ले गए...

इधर, पुलिस का कहना है कि युवक को कहीं कोई चोट नहीं लगी है। प्राथमिक उपचार और रातभर ऑब्जर्वेशन के बाद रविवार सुबह परिजन उसे अपने साथ ले गए है। मामले की जांच की जा रही है।

मौतों को देखकर दिल नहीं पसीज रहा..!

देर रात को निकला बिना मुंडेर के कुएं से शव

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बिना मुंडेर के कुएं में गिरने के हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ऐसे कुएं यमराज की भूमिका निभा रहे हैं। इसके बाद भी जिले में जिम्मेदारों की नींद नहीं खुल रही है। कलेक्टरों के निर्देश के बाद औपचारिकता निभाई जाती आ रही है। ग्राम टिडवास में शनिवार शाम को ट्रैक्टर सहित कुएं में गिरे व्यक्ति का शव देर रात को निकाला जा सका।

खेत की हकाई के दौरान शनिवार शाम एक किसान ट्रैक्टर सहित 100 फीट गहरे कुएं में गिर गया। जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसका शव कुएं से बाहर निकाला जा सका। घटना नाहरगढ थाना क्षेत्र के गांव टिडवास की है। यहां शनिवार शाम 4 बजे बंशीलाल पिता भंवरलाल विश्वकर्मा

उम्र 50 साल अपने खेत की हकाई कर रहा था। रिवर्स लेने के दौरान वह ट्रैक्टर सहित कुएं में गिर गया। सूचना पर मल्हारगढ एसडीएम रविन्द्र परमार, नायब तहसीलदार अभिषेक चौरसिया, नाहरगढ टीआई प्रभात गौड़ सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे और बंशीलाल को निकलवाने के प्रयास किए।

सात मोटर लगाकर खाली किया कुएं का पानी...

कुएं के पानी को खाली करने के लिए बिजली कंपनी ने 7 मोटर लगाई। वहीं, 2 क्रेन व एक जेसीबी की मदद से बंशीलाल को निकालने के प्रयास किए गए। रात 10 बजे क्रेन की सहायता से कुएं से ट्रेक्टर बाहर निकाला गया। इसके बाद रात 1 बजे किसान का शव कुएं से बाहर निकाला गया। मामले में नाहरगढ पुलिस ने मर्ग दर्ज किया है। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया गया।

एफआईआर के नाम पर औपचारिकता...

जिले में बिना मुंडेर के कुओं को लेकर वैसे तो कई कलेक्टर निर्देश दे चुके हैं। लेकिन, तत्कालीन कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा दिखाई सख्ती के बाद कई जगहों पर कुआं मालिकों पर एफआईआर हुई। कारवाई तो इस मामले में जरुर हुई, लेकिन बाद में प्रशासनिक अधिकारियों ने पलटकर नहीं देखा कि मुंडेर बनी या नहीं। अभी तक कई हादसे टिडवास की तरह हो चुके हैं।

किसी कलेक्टर के निर्देश को नहीं माना

पूर्व कलेक्टर शशांक मिश्र ने अभियान चलाकर 75 बिना मुंडेर के कुएं चिन्हित किए थे। इसके बाद कलेक्टर पूर्व कलेक्टर संजीवसिंह ने भी इस दिशा में कदम उठाए और एसडीएम को कार्रवाई के निर्देश दिए। एक हादसे के बाद पूर्व कलेक्टर मनोज पुष्प ने भी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। लेकिन अधिकारियों ने निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। पूर्व कलेक्टर दिलीप कुमार यादव की सख्ती का असर दिखा। थानों में एक दर्जन से ज्यादा कुआ मालिकों के खिलाफ धारा 188 के तहत एफआईआर भी हुई। लेकिन एफआईआर कराने के बाद पिछे मुडकर अधिकारियों ने नहीं देखा कि कुओं की मुंडेर बनी है या नहीं।

आंकड़ों में 94, हकीकत में 400, अब कितने पता नहीं...

जिले में बिना मुंडेर वाले कुओं से होने वाली दुर्घटनाएं रोकने के लिए प्रशासन कितना गंभीर है, यह इसी से पता चलता है कि कुछ साल पहले सर्वे में जिले में कई खतरनाक कुओं को चिन्हित करने के बाद भी कुछ नहीं हो सका है। खेतों की ओर जाती पगडंडियों, राजमार्गों सहित जिले के कई मार्गों के आसपास बिना मुंडेर के कुओं की वजह से कई लोगों की मौत हो चुकी है। 16 नवंबर 2016 को ग्राम देवरी में बिना मुंडेर के कुएं में कार गिरने से तीन लोगों की जान गई तो अधिकारी हरकत में आए और सर्वे कराया। 94 बिना मुंडेर वाले कुएं चिन्हित किए। हालांकि यह संख्या हकीकत में चार सौ से अधिक है। अब पूर्व कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देशों के बाद एफआईआर तो हुई, लेकिन यह आंकड़ा किसी के पास नहीं है कि बिना मुंडेर के कुएं अब कितने बचे हैं?

विचार-मंथन

कहने को होती है रैन बसेरा में सुविधा...

हर वर्ष समूचे देश में जब कड़ाके की ठंड पड़ने लगती है, तब ठिठुरने और इसकी वजह से लोगों की मौत होने की खबरें भी आती हैं। इस मसले पर सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील लोग और संगठन चिंता जताते हैं तथा सरकार भी इससे सहमत होती है। मगर यह विचित्र है कि ठंड की मार का सामना करने वाले लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार कोई ऐसा दीर्घकालिक उपाय करती नहीं दिखती, ताकि किसी की मौत, हादसे या मौसम की वजह से होने वाली घटना में सिमट कर न रह जाए। दिल्ली और अन्य राज्यों में ऐसे लोगों की खासी संख्या है, जिनके पास रहने का कोई ठौर नहीं है और ठंड के चरम दौर में जब तापमान में काफी गिरावट हो जाती है, तब उनके लिए वक्त काटना और खुद को बीमारी और मृत्यु से बचा लेना एक बड़ी चुनौती होती है। कहने को सरकार की ओर से रैन बसेरे जैसी जो सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं, उसकी सीमाओं के बीच लोग अपने स्तर पर ठंड का सामना करते हैं। इसके बावजूद कई लोगों की जान चली जाती है। सवाल है कि इस हकीकत के बदस्तूर कायम रहने के बीच सरकार का दायित्व क्या है? घनघोर जाड़े के दिनों में बेघर लोगों के लिए आश्रय गृहों या रैन बसेरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी है? गुरुवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भी चिंता जताते हुए कहा कि बहुत जल्दी ठंड बढ़ने वाली है। इसलिए दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड यानी डीयूएसआइबी यह जानकारी पेश करे कि मौजूदा समय में जो आश्रय गृह हैं, वहां कितने लोगों को ठहराया जा सकता है और कितने ऐसे लोग हैं, जिन्हें इस तरह सुविधा की जरूरत पड़ सकती है। शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों को सर्दी की मार के मद्देनजर उपलब्ध आश्रय सुविधाओं के बारे में विस्तृत रपट देने का आदेश दिया। यह छिपा तथ्य नहीं है कि हर वर्ष जाड़ा और बेघर लोगों को ध्यान में रख कर दिल्ली सरकार की ओर जो आश्रय गृह या रैन बसेरे तैयार कराए जाते हैं, वे जरूरत के मुकाबले अपर्याप्त होते हैं। फिर जहां ऐसे रैन बसेरे या आश्रय गृह होते भी हैं, वहां साफ-सफाई का घोर अभाव, असुरक्षित माहौल और अव्यवस्था की वजह से कई जरूरतमंद जाने से भी हिचकते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि वंचित और गरीब तबकों के लिए सरकार जो व्यवस्था करने का दावा करती है, वह अगर सच नहीं होती, तो इसके लिए कौन जवाबदेह है! जनकल्याण के सिद्धांतों पर आधारित शासन व्यवस्था में एक लोकतांत्रिक सरकार को अपनी ओर से पहल करके कमजोर, वंचित और लाचार लोगों के लिए जरूरत पड़ने पर विशेष व्यवस्थाएं करनी चाहिए। एक रपट के मुताबिक अकेले दिल्ली और आसपास के इलाकों में करीब तीन लाख ऐसे लोग हैं, जो कड़ाके की ठंड, तपती गर्मी और बरसात के दिनों में खुले आसमान के नीचे वक्त गुजारते हैं और उसके थपेड़े सहते रहते हैं। रैन बसेरों या आश्रय गृहों के रूप में सरकार जो व्यवस्था करती है, वह इतनी अपर्याप्त होती है कि ज्यादातर लोग उस तक पहुंच भी नहीं पाते। कई बार रैन बसेरे या आश्रय गृहों में फैली अव्यवस्था, गंदगी, असुरक्षा और अराजकता का आलम भी लोगों को उससे दूर करती है। इतना तय है कि बढ़ती सर्दी और तापमान में गिरावट के साथ बेघर लोगों के सामने खुद को बचाने का संकट ज्यादा गहरा होगा। ठंड की मार से लोगों की परेशानी में बढ़ोतरी हो, इससे पहले क्या यह जरूरी नहीं है कि सरकार खुद इस मसले पर कोई व्यापक उपाय करे?

चुनौतियों के लिए पहल की दरकार...

एम वेंकटेश्वरलू

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) की इनोवेशन इंडेक्स 2024 की रिपोर्ट में भारत को 133 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में से 39वां स्थान मिला है। भारत 2015 में 81वें स्थान पर था और 2024 में 39वें स्थान पर पहुंच गया, जो विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में भारत के केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। भारत, चीन के अलावा चार अन्य मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं के साथ, शीर्ष 40 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। इनोवेशन इंडेक्स 2024 में मलेशिया (33वां), तुर्की (37वां), बुल्गारिया (38वां) और भारत (39वां) शामिल है। भारत लगातार 14वें साल सबसे लंबे समय तक नवाचार में बेहतर प्रदर्शन करने वाला देश बना हुआ है। 2023 में, डब्ल्यूआईपीओ द्वारा प्रशासित पेटेंट सहयोग संधि के तहत अंतरराष्ट्रीय पेटेंट फाइलिंग में लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई। यह 2009 में वित्तीय संकट के बाद पहली गिरावट थी। इसी तरह, अमेरिका और जापान जैसे विकसित देशों में क्रमशः 5.3 प्रतिशत और 2.9 प्रतिशत की भारी गिरावट आई। इसके विपरीत, भारत ने अच्छी खासी वृद्धि दिखाई; पीसीटी अनुप्रयोगों में 44.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। आम तौर पर, स्टार्ट-अप नए स्थापित व्यवसाय या मौजूदा उद्यमों के विस्तार होते हैं जिनमें नवीन या उन्नत व्यावसायिक प्रस्ताव होते हैं। उद्यमी नवीन उत्पाद, सेवाएं या व्यवसाय मॉडल विकसित करने के लिए स्टार्टअप स्थापित करते हैं। आज, स्टार्टअप इकोसिस्टम विकास के अवसरों और चुनौतियों की विशेषता वाले गहन बदलावों का अनुभव कर रहा है। विकास के अवसर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न होते हैं। उद्यम उत्पादों और सेवाओं की सुरक्षा, गुणवत्ता और कार्यक्षमता में सुधार करने के लिए अपनी प्रक्रियाओं के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपना रहे हैं। 2023 में, दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में लगभग 40 बिलियन डॉलर का निवेश किया गया, जो व्यवसायों के लिए एआई की परिवर्तनकारी क्षमता और मूल्य प्रस्ताव पर जोर देता है। हालिया रिपोर्ट बताती हैं कि दुनिया भर में 67,200 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनियां हैं, जिनमें से 25 प्रतिशत एआई स्टार्टअप हैं और अकेले अमेरिका में स्थित हैं। बेशक, भारत में एआई इकोसिस्टम तेज गति से विकसित हो रहा है। आज, भारत में लगभग 1,67,000 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जिनमें से 6,636 एआई स्टार्टअप हैं। एआई स्टार्टअप कुल स्टार्टअप का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश है, और यह लगातार बढ़ रहा है। भारत में, हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी क्षेत्र में स्टार्टअप्स ने भी टेलीमेडिसिन, व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा और स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल बनाने जैसी विशिष्ट सेवाओं के साथ जबरदस्त वृद्धि देखी है, जिससे मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्य सेवा वितरण में प्रभावी बदलाव आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी क्षेत्र में 12,000 से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। भारत कई कंपनियों और उत्पादों के साथ फिनटेक क्षेत्र में अग्रणी रहा है। फिनटेक उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, वैश्विक भागीदार के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है। भारत की फिनटेक कंपनियों का कुल बाजार मूल्य लगभग 90 बिलियन डॉलर है, जिसमें 26 से अधिक फिनटेक यूनिकॉर्न और एक डेकाकॉर्न है। भारत में फिनटेक स्टार्टअप की संख्या पिछले तीन वर्षों में पांच गुना बढ़ी है, जो 2021 में 2,100 थी और 2024 में बढ़कर 10,200 हो गई है। अच्छी खबर यह है कि उद्यमी पर्यावरण की समस्या के लिए समाधान विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट में कमी और सतत शहरी विकास शामिल हैं। हालांकि स्टार्टअप की वृद्धि की कहानी अब तक प्रभावशाली रही है, लेकिन कई उद्यमी अपने व्यवसाय को बनाए रखने के लिए कई चुनौतियों से जूझ रहे हैं। मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों के कारण ग्लोबल स्टार्टअप इकोसिस्टम कठिन दौर से गुजर रहा है। फंडिंग के अवसरों की कमी ने हमेशा हर देश में स्टार्टअप को प्रभावित किया है, और भारत कोई अपवाद नहीं है। उदाहरण के लिए, वेंचर कैपिटल फंडिंग 2022 में 530 बिलियन डॉलर से घटकर 2023 में 340 बिलियन डॉलर रह गई। इसी अवधि के दौरान एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उद्यम पूंजी निधि में 40 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट आई है, जो पिछले नौ वर्षों में सबसे कम है। हालांकि, भारतीय स्टार्टअप वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच उद्यम पूंजी निधि में बड़े पैमाने पर प्रवाह के साथ असाधारण लचीलापन दिखा रहे हैं। वैश्विक मंदी के बावजूद, भारत में स्टार्टअप वृद्धि में कोई कमी नहीं आई है, इसका श्रेय मजबूत और आशाजनक स्टार्टअप्स को जाता है जो उद्यम पूंजीपतियों के निवेश को आकर्षित करना जारी रखते हैं। आज कुछ स्टार्टअप के लिए अवसर उभर रहे हैं, जबकि कई स्टार्टअप ऐसे माहौल में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं जहां मंदी ने अर्थव्यवस्थाओं को पंगु बना दिया है। भारत सहित कई देश उच्च मुद्रास्फीति और ब्याज दरों से जूझ रहे हैं, जिससे स्टार्टअप के लिए चुनौतियां पैदा हो रही हैं। स्टार्टअप्स के लिए चिंता का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र विनियामक अनुपालन और निरंतर समीक्षा है। फिनटेक और डेटा गोपनीयता जैसे क्षेत्र, निश्चित रूप से, समाज के व्यापक हित में, कड़े अनुपालन मानदंडों के अधीन हैं। स्टार्टअप को प्रत्येक बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। भारत में, जहां बाजार परिपक्व और अच्छी तरह से विकसित हैं, स्टार्टअप को प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। वे हमेशा अपने उत्पाद और सेवाओं को अलग करने और बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के तरीके खोजने के लिए संघर्ष करते हैं। इस प्रकार, ग्राहकों को लुभाना अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सिलिकॉन वैली, न्यूयॉर्क जैसे प्रौद्योगिकी केंद्रों के साथ अमेरिका हमेशा से ग्लोबल लीडर रहा है, और ऑस्ट्रेलिया तकनीकी नवाचार, फिनटेक और हेल्थकेयर तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में योगदान दे रहा है। इसी तरह, लंदन, बर्लिन और पेरिस जैसे शहर फिनटेक, एआई और टिकाऊ स्टार्टअप के लिए प्रसिद्ध हैं।

भटकाव से बचने के लिए करना पड़ता है उपाय

मेधा राठी

कभी-कभी मन अज्ञातवास पर जाना चाहता है। संसार और यहां तक कि अपने भीतर के भी कोलाहल से दूर, एक ऐसे एकांत में, जहां कोई भी न हो जो उसकी शांति में बाधा पहुंचा सके। मगर मन स्वयं से ही मुक्त नहीं हो पाता। इसका कारण है कि अगर उद्वेलित मन पलायन के विचार से एकांत की तलाश करता है तो उसका असफल होना निश्चित है। शांत मन के साथ ही अज्ञातवास के एकांत का आनंद लिया जा सकता है, लेकिन जब मन शांत होता है, तब उसे किसी प्रकार के अज्ञातवास की आवश्यकता ही कहां रह जाती है। शांत मन का व्यक्ति भीड़ में भी शांति का अनुभव प्राप्त कर लेता है, क्योंकि वह सीख चुका होता है कि स्वयं के साथ किस तरह जिया जाता है, किस प्रकार एक-एक पल का, घटनाओं का आनंद लिया जा सकता है। लेकिन मन जब विचलित होगा तो वह एक स्थान पर ठहर नहीं पाता। बार-बार भटकता रहता है। वास्तव में यह भटकाव ही इस कामना को बल देता है कि सबसे दूर कहीं चले जाएं, जहां अन्य कोई न हो।मन का भटकाव क्लांत कर देता है, थका देता है व्यक्ति को और शरीर पर भारी होती मन की शिथिलता व्यक्ति के आसपास के वातावरण को बोझिल कर देती है। इस बोझिलता का भार व्यक्ति अपनी सहनशक्ति की सीमा में सहन करता है, लेकिन उसके बाद उसकी वाणी, बर्ताव, क्रियाकलापों पर भी जब इसका प्रभाव पड़ने लगता है। तब उसके हृदय में सबसे दूर जाने की इच्छा जन्म लेने लगती है। व्यक्ति प्रयत्न करने लगता है स्वयं को सबसे दूर रखने का, जहां बाह्यजगत का कोलाहल न हो। वह विचार कर सके अपनी परिस्थितियों पर, मनन कर सके और कुछ भी न कर सके तो विचार शून्य होकर रह सके। ये सभी विचार स्वयं के साथ समय बिताने की इच्छा से आते हैं। मगर व्यक्ति स्वयं के साथ भी तब समय कहां बिता पाता है! विकलता के भाव रह-रहकर उसके एकांत को खंडित कर देते हैं। खंडित एकांत किस प्रकार साथ को पूर्ण कर सकता है! किस तरह शांति प्रदान कर मन को प्रसन्नता दे सकता है! तब फिर ऐसे में इस अज्ञातवास का अर्थ ही क्या रह जाता है? पलायन लोगों से किया जा सकता है, लेकिन स्वयं से तो नहीं कर सकते! फिर ऐसे में क्या किया जाए? क्या मन को यों ही भटकने और अशांत रहने के लिए छोड़ दिया जाए? मगर परिस्थितियों के आगे बेबस होकर रहना भी तो मन को गवारा नहीं होता! ऐसे में मन को शांत करने से पहले उसके अशांत होने के कारणों पर ध्यान देना अधिक आवश्यक होता है। ठीक उसी प्रकार जैसे डाक्टर पहले बीमारी ढूंढते हैं, उसके बाद बीमारी के अनुरूप उसकी दवाई देते हैं। अगर मन के अशांत होने के कारणों को जाने बिना ही हम बार-बार मन पर संयम रखने का प्रयास करेंगे तो वह निष्फल ही होगा। किसी भी बात को अत्यधिक सोचना भी मन की विकलता की वजह बन जाता है। जीवन विभिन्न घटनाओं का चक्र है, जिनमें कुछ घटनाएं प्रसन्नता का कारक बनती हैं तो कुछ दुख, क्रोध और क्षोभ की वजह। एक बात को मन में रखकर उसे मथते रहने से मन भी थक जाता है। इस मंथन के कारण एक के बाद एक भाव मन में जन्म लेते जाते हैं। मनुष्य का स्वभाव विचित्र है। वह प्रसन्नता के कारकों पर मंथन नहीं करता। वह उन बातों को ज्यादा सोचता है, जिनके कारण उसे दुख प्राप्त हुआ और इस तरह के कारण मन में मलिनता लाते हैं। मलिन मन शांति कैसे प्राप्त करेगा? सभी उपाय ऐसे में व्यर्थ ही हो जाएंगे, क्योंकि कारण मन के अंदर ही है। मनुष्य की प्राथमिकता अपने मन को स्थिर रखना होनी चाहिए, अन्यथा वह संसार में अपनी उपादेयता सिद्ध नहीं कर पाएगा। मन हमेशा साथ चलता है, लेकिन मन को अपना स्वामी नहीं बनने देना चाहिए। यह बात ऋषियों-मुनियों द्वारा प्राचीन काल से कही जाती रही है। उसका कारण यही है कि मन के वश में रहने वाला व्यक्ति न अपना भला कर पाता है और न ही उससे उसके कर्तव्यों के पालन की आशा की जा सकती है। प्रत्येक मनुष्य में अनेक संभावनाएं हैं, समाज के विकास के साथ ही वह सृष्टि में अपना सार्थक योगदान दे सकता है। मन को शांत करने के लिए सर्वप्रथम स्वीकार करना सीखना होगा। यानी जो भी हो रहा है, उससे भागना नहीं चाहिए।

क्या कालजयी बन पाएगी टीम इंडिया

आज से एडिलेड ओवल में बॉर्डर-गावसकर सीरीज का दूसरा मैच शुरू हो गया। भारत 5 मैचों की इस सीरीज में अभी 1-0 से आगे है। भारतीय क्रिकेट की हस्ती दुनिया और खासकर खेल के मैदान पर सबसे बड़ी चैंपियन टीम ऑस्ट्रेलिया में किस कदर बदल गई है, उसकी झलक देखने के लिए एक बार यहां आना चाहिए। साल 2008 में टेलिविजन रिपोर्टर के तौर पर जब मैंने पहली बार ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर कदम रखा, तो हरभजन सिंह बनाम एंड्रयू साइमंड्स का मंकीगेट कांड सुर्खियों में था। दोनों देशों के न सिर्फ खिलाड़ी आपस में भिड़ रहे थे बल्कि मैदान के बाहर दोनों तरफ का आक्रामक मीडिया भी आग में घी डालने का काम कर रहा था। इसका असर सामान्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट फैंस के नजरिये पर भी देखने को मिला। ऑस्ट्रेलिया ने डॉन ब्रैडमैन के बाद अगर किसी को सबसे बेहतरीन क्रिकेटर माना, तो वह सचिन तेंडुलकर हैं। लेकिन, मंकीगेट का ऐसा असर हुआ कि सचिन के हरभजन का साथ देने से ऑस्ट्रेलियाई नाराज और मायूस हो गए। कुछ साल बाद एडम गिलक्रिस्ट ने अपनी किताब में इस बात का जिक्र भी किया था कि किस तरह उस वाकये से सचिन की साख को थोड़ा झटका लगा था। बहरहाल, सचिन की विरासत को आगे ले जाने वाले विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के साथ न सिर्फ अपने निजी रिश्ते, बल्कि भारतीय क्रिकेट के समीकरण भी पूरी तरह बदल डाले। यह सच है कि ऐसा अकेले सिर्फ विराट की असाधारण शख्सियत के चलते नहीं हुआ। 2008 में आईपीएल ने कंगारुओं को एक उभरते हुए ताकतवर देश की झलक दिखलाई, तो भारत से आने वाले इंजिनियर और डॉक्टरों ने वहां के जनमानस पर वही असर डालना शुरू किया, जिसकी शुरुआत अमेरिका और इंग्लैंड में 50 साल पहले ही हो चुकी थी। विराट कोहली ने 2010-11 में ऑस्ट्रेलिया का पहला दौरा किया था। तब से 2024 तक, वह यहां के पांच टूर कर चुके हैं और हर बार शतक जमाया है। इसमें अपवाद के तौर पर केवल पिछला दौरा रहा, जब वह सिर्फ एक टेस्ट खेलकर भारत लौट गए थे। विराट ने अपने प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलियाई जनता ही नहीं, उनके प्रधानमंत्रियों को भी अपना मुरीद बनाया और बाहुबली-सा दर्जा हासिल किया। कैनबरा में टीम इंडिया के अभ्यास मैच के दौरान मेरी मुलाकात एक युवा महिला मैरी से हुई। मैरी क्रिकेट की दीवानी हैं, साथ में हिंदी फिल्में भी चाव से देखती हैं। अमिताभ बच्चन उनके पसंदीदा नायक हैं और शाहरुख खान की फिल्म 'कल हो न हो' का टाइटल गाना भी वह गुनगुना सकती हैं। क्रिकेट के अलावा भी जिस तरह की छाप भारतीय संस्कृति ने ऑस्ट्रेलियाई लोगों पर छोड़ी है, वह अपने आप में अविश्वसनीय है। एडिलेड टेस्ट से ठीक पहले टीम इंडिया के पहले अभ्यास सत्र को आम जनता के लिए फ्री कर दिया गया था। कोहली और रोहित की सिर्फ एक झलक पाने के लिए करीब 5000 दर्शक पूरे एडिलेड ओवल में भारतीय तिरंगा लहराते हुए दिखे। ऑस्ट्रेलियाई मैदानों में यह सुखद बदलाव है। ज्यादातर मैदानों पर भारतीय और स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों की संख्या 50-50 प्रतिशत होती है। अगर आने वाले एक दशक में मैच के 90 प्रतिशत टिकट भारतीयों के पास हों, तो हैरानी नहीं होगी। पहली बार कंगारू किसी भारतीय गेंदबाज की ऐसी प्रशंसा कर रहे हैं, जैसी जसप्रीत बुमराह को मिल रही है। जिस देश ने डेनिस लिली और ग्लेन मैक्ग्रा जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज दिए हों, वहां के युवा खिलाड़ियों के लिए बुमराह का रोल मॉडल बनना अद्भुत है। ऐसा सचिन की सर्वोच्चता के दौर में भी देखने को नहीं मिला था। शायद इसकी वजह यह थी कि उनके पास रिकी पोंटिंग थे, जो उनकी नजरों में अब भी सचिन से 19 नहीं हैं। बुमराह ने कप्तान के तौर पर भी हर किसी को अपना मुरीद बना लिया है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5441

					9			6
					3	8	5	1
	6	2		1	5			
		7					6	
	2	1	9	7	6	3	8	
	3					1		
			4	5		9	7	
2	5	8	6					
4			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5440

1	6	7	5	2	4	9	3	8
2	3	9	1	7	8	6	5	4
8	5	4	3	9	6	2	7	1
6	9	8	7	4	2	3	1	5
7	2	3	6	1	5	4	8	9
5	4	1	8	3	9	7	6	2
3	1	2	4	8	7	5	9	6
9	7	6	2	5	1	8	4	3
4	8	5	9	6	3	1	2	7

वर्ग पहेली 5441

संकेत: बाएं से दाएं
1. 2000 में भारत के इस तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र शांति शिखर सम्मेलन के दौरान हिंदी में भाषण देते हुए पाकिस्तान को ललकारा (6)
6. राजमुकुट, शिखा (2)
7. पति-पत्नी का कानूनन संबंध विच्छेद (3)
8. छोटा, निशान, तीर प्रकार के प्रत्ययों में से एक (2)
9. गले के नीचे पेट में उत्पन्न, निगलना (3)
10. हिंदी के बारह महीनों में से एक (2)
11. एक श्लोक का चतुर्थांश, योग्यतानुसार दिया गया दर्जा या पदवी (2)
13. अनुकंपा, दया, मेहरबानी (4)
16. जीना, सीढ़ी (3)
18. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
19. पार्वती, लक्ष्मी (2)
21. पुत्र, मित्र (4)
22. तड़क-भड़क, ठाट-बाट (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. न्यायालय, कचहरी (4)
2. कोमलकांत, सुंदरकी, सुप्रसिद्ध स्वर साम्राज्ञी (सिर्फ आंशिक नाम) (2)
3. वह स्थान जहां से प्रत्येक घर बिजली पहुंचाई जाती है (5)
4. खाली होना, रिक्त होना (3)
5. उद्देश्य, प्रयोजन (4)
11. अकारण, अचानक, चमत्कारिक (3)
12. एक राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (2)
14. हल्का बुखार, ज्वर अनुभूति, आवेश (4)
15. कोई करतब आदि देखने के लिए एकत्रित जनसमूह, अव्यवस्थित जन समूह (3)
16. ऋग्वेद के अनुसार एक प्रकार का पेय जो देव-दानवों दोनों को प्रिय था (2)
17. इराक का एक शहर जहां सुन्नियों के चौथे खलीफा यानी शिया इस्लाम के पहले इमाम अली की मजार है (3)
20. यह यूरोपीय संघ का एक सदस्य राष्ट्र है जिसकी राजधानी मैड्रिड है (2)

वर्ग पहेली 5440 का हल

आज का राशिफल

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन

मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर सहकारी बैंकों के सुदृढ़ीकरण के प्रयास करना होंगे : मनोज पुष्प

भोपाल। जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की समन्वय भवन में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री मनोज पुष्प, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें ने कहा कि भारत शासन के "सहकारिता से समृद्धि" के मंत्र को साकार करने की दिशा में मध्य प्रदेश शासन के नीति-निर्देशों का पालन करते हुए मध्य प्रदेश के सभी 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर अपने बैंक का सफल नेतृत्व करते हुए व्यवसाय संवर्धन की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने होंगे, तभी प्रदेशके कृषि साख आन्दोलन को और सशक्त व समृद्ध बनाया जा सकेगा।

श्री पुष्प ने आगे कहा कि आप जब लगन व समर्पण भाव से इस दिशा में प्रयास करेंगे, तभी जिला बैंक व उसके अन्तर्गत आने वाली सहकारी समितियां सुदृढ़ होंगी। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता ने बैठक के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए आयुक्त महोदय के निर्देशों का अनुसरण करने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को प्रेरित किया। उन्होंने अवगत कराया कि इस प्रकार की बैठक प्रतिमाह के प्रथम शनिवार को आयोजित होगी, जिसमें आप सभी से मध्य प्रदेश शासन एवं अपेक्स बैंक से समय-समय पर जारी होने वाले नीति-निर्देशों के अनुसार कार्य सम्पादन की प्रगति की समीक्षा की जायेगी। आप सभी के कर्मठ प्रयासों से ही प्रदेश की यह त्रि-स्तरीय संरचना प्रगति पथ पर अग्रसर होगी। बैठक में अन्य महत्वपूर्ण व तकनीकी बिन्दुओं पर सहकारिता विभाग के उप सचिव श्री मनोज सिन्हा, बैंक के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारीगण श्री अरूण मिश्रा, श्रीमती अरूणा दुबे, श्रीमती कृति सक्सेना, उप महाप्रबंधक श्री आर.एस.चंदेल, श्री अरविन्द बौद्ध, प्रबंधक श्री आर.पी.एम.पिल्लई, श्री आशीष राजौरिया, श्री आर.के.गंगेले, श्री जी.के.अग्रवाल, श्री पराग पाठक ने भी सम्बोधित किया।

बैठक का संचालन श्री करूण यादव, प्रबंधक (सीईएम) ने किया। बैठक में बैंक के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री संजय मोहन भटनागर, प्रबंधक श्री समीर सक्सेना, श्री आर.एस. विश्वकर्मा, मध्य प्रदेश के 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के साथ शासन, विभाग व बैंक के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित हुए।

मुख्यमंत्री ने जनरल बिपिन रावत को पुण्यतिथि और कवि पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन को जयंती पर किया नमन

भोपाल। देश के पहले रक्षा प्रमुख, 'पद्म विभूषण' जनरल बिपिन रावत की आज पुण्यतिथि है। इसके साथ ही हिंदी जगत के कवि, गद्यकार और अद्वितीय वक्ता पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन की आज ही के दिन जयंती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने दोनों महान विभूतियों को याद करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए जनरल बिपिन रावत को पुण्यतिथि पर याद करते हुए लिखा देश के प्रथम रक्षा प्रमुख जनरल बिपिन रावत जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। जनरल रावत जी ने जीवन का प्रत्येक क्षण देश की आन-बान-शान के लिए सेनाओं को मजबूत बनाने के संकल्प के प्रति समर्पित कर दिया। अनुशासित योद्धा की भांति देश की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता देशवासियों को मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी एक अन्य संदेश के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कवि पंडित बालकृष्ण शर्मा को जयंती पर नमन करते हुए लिखा मध्यप्रदेश की माटी के गौरव, कवि पंडित बालकृष्ण शर्मा %नवीन% जी की जयंती पर शत-शत नमन करता हूँ।अपनी कृतियों से हिन्दी साहित्य को समृद्ध करते हुए आपने मानवीय संवेदनाओं को शब्दों से जीवंत कर दिया। आपका रचना संसार देश की अमूल्य धरोहर है, जो नव प्रतिभाओं का मार्गदर्शन करती रहेगी।

एम्स भोपाल में विकसित की गई अलग-अलग आकार की नसों को टांका लगाकर जोड़ने की तकनीक

भोपाल। अगर किसी मरीज का पैर जल जाता है, उसकी हड्डी तक की मांस काली पड़ जाती है। उस हड्डी को ढकने के लिए शरीर के किसी अन्य हिस्से से मांस लगाया जाता है। मांस जीवित रहे इसलिए खून की नस को भी काटा जाता है। और पैर ही हड्डी पर लगाया जाता है। इस प्रक्रिया में कई बार अलग-अलग आकार की खून नसें होती है, जो जुड़ने में परेशानी पैदा करती है। क्योंकि वह नसें छोटी-बड़ी होती है, जो जुड़ने में परेशानी पैदा करती है, ऐसे स्थिति से निपटने के लिए एम्स भोपाल के डॉ. गौरव चतुर्वेदी ने नवाचार किया है।नसों से खून बहने की समस्या दूर होगी : इन्होंने खून की नसों पर टांके लगाने की नई तकनीक विकसित की है, जिसे इंटरप्टेड हॉरिजोंटल माइक्रोमैट्रेस शटरिंग नाम दिया है। इसकी मदद से किसी भी छोटी-बड़ी खून की नसों को आसानी के साथ जोड़ा जा सकेगा। इससे सर्जरी के बाद नसों से खून बहने की समस्या को दूर किया जा सकेगा। दरअसल, प्लास्टिक सर्जरी में शरीर के किसी एक हिस्से से त्वचा और ऊतक लेकर दूसरे हिस्से में लगाने होते हैं। हर हिस्से की रक्त वाहिकाओं का आकार अलग-अलग होता है। उन्हें जोड़ने में होने वाली परेशानी से यह तकनीक मुक्ति दिलाती है। डॉ. गौरव का यह नवाचार देशभर में भी प्रचलित हुआ है। हाल ही में डॉ. गौरव को माइक्रोसर्जिकल स्यूचरिंग तकनीकों पर उनके अग्रणी कार्य के लिए प्रतिष्ठित यंग रिसर्चर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें नेशनल बायोमेडिकल रिसर्च प्रतियोगिता के दौरान प्रदान किया गया, जिसे एम्स, नई दिल्ली ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सहयोग से सोसाइटी ऑफ यंग बॉयोमेडिकल साइंसेज इंडिया के तत्वावधान में आयोजित किया था। इस आयोजन में देशभर के शोधकर्ताओं ने अपनी उन्नत खोजों को प्रस्तुत किया था।

मास्टर ट्रेनर सुधारेंगे 10वीं व 12वीं का रिजल्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश बोर्ड 10वीं व 12वीं की परीक्षा फरवरी के अंतिम सप्ताह से शुरू होने वाली है। अब करीब तीन माह का समय शेष है। स्कूल शिक्षा विभाग इस बार सरकारी स्कूलों का 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम सुधारने के लिए नई पहल कर रहा है। खासतौर पर 10वीं में इस बार बेस्ट ऑफ फाइव योजना समाप्त हो गई है। इस कारण परिणाम सुधारने के लिए विभाग विशेष तैयारी में जुटा है। इस बार राज्य स्तर पर विषयवार मास्टर ट्रेनर चयनित किए गए हैं, जो जिले के सीएम राइज स्कूलों के शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण देकर बोर्ड परीक्षा की तैयारी कराएंगे। साथ ही सभी स्कूलों में वार्डन शिक्षक तैनात किए जा रहे हैं, जो प्रत्येक विद्यार्थी की मॉनीटिरिंग करेंगे। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने सभी जिले के संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और प्राचार्यों को बोर्ड परीक्षाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशित किया गया है कि 10वीं व 12वीं में पढ़ाने वाले शिक्षकों को किसी भी स्थिति में गैर शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाया जाए।

दुर्घटना में मृत व्यक्ति की हुई शिनाख्त

पिपलियामंडी, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति की शिनाख्त हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम किया। जानकारी के अनुसार शनिवार रात्रि पिपलिया चौपाटी पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। सूचना पर बही टोल प्लाजा पैरामेडीकल टीम मौके पहुंची व घायल को मंदसौर जिला अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के जेब से शिनाख्तगी के कोई दस्तावेज नही मिले। रविवार सुबह सोशल मीडिया पर खबर वायरल होने के बाद परिजन पिपलिया पहुंचे व मृत व्यक्ति की शिनाख्त रतलाम जिल के रावटी थाना क्षेत्र के गांव अमरपुरा कला निवासी बंशीलाल (38) पिता हड़िया सिंगर भील के रुप में हुई। पुलिस ने मर्ग कायम किया।

समाधान इंटिग्रेटेड योग समारोह उज्जैन में आज पहुंचेंगे नीमच के योग साधक

नीमच, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। योग ऋषि स्वामी रामदेव जी के परम शिष्य पतंजलि योग पीठ हरिद्वार के केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव जी के सानिध्य में तीन दिवसीय नि: शुल्क आवासीय योग शिविर होम गार्ड मैदान, नागझिरी चौराहा उज्जैन में आयोजित है! मंगलवार 10 दिसंबर से आयोजित शिविर में नीमच जिला योग साधकों के 15 सदस्यों के पंजीयन हो कर 9 दिसंबर को सायं 5:00 बजे चित्तोड़ - उज्जैन ट्रेन से निकलने वाले इन योग साधकों का उज्जैन में योग प्रशिक्षण आवास व आहार एवं उज्जैन भ्रमण की श्रेष्ठ व्यवस्था संभागीय योग समिति उज्जैन द्वारा की जा रही है। यह जानकारी बीते दिनों हुई वर्चुअल बैठक में संज्ञान में आई, जिसे जारी करते हुए योगाचार्य व संवाद प्रभारी लाक्षाकार बालकृष्ण सोलंकी व जिला योग समिति अध्यक्ष योग प्रेमी गुणवंत गोयल ने बताया की उक्त समारोह योगानुभूति प्राप्त करने का श्रेष्ठ अवसर है। अत: योग सम्मत ज्ञान बढ़ाने हेतु निशुल्क सम्मिलित हुआ जा सकता है।

कीर समाज की जिला बैठक सम्पन्न

नीमच, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कीर समाज जिला नीमच की बैठक रविवार 8 दिसंबर को मोरवन डेम पर संपन्न हुई जिसमें समाज हित में व्यापक विचार विमर्श कर निर्णय लिए गए एवं जिला कार्यकारिणी का विस्तार कर नियुक्तियां की गई व जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक को कीर समाज युवा महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चांदना, जिला कीर समाज अध्यक्ष दिनेश कीर रावतपुरा, कीर समाज युवा महासभा के जिलाध्यक्ष मनोहर कीर आदि ने संबोधित किया। बैठक कीर समाज के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष भंवरलाल कीर मोरवन, जिला संरक्षक श्यामलाल कीर की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में जिला कीर समाज अध्यक्ष दिनेश कीर, व जिला कीर युवा महासभा जिलाध्यक्ष मनोहर कीर के द्वारा अपनी कार्यकारिणी का विस्तार कर जिम्मेदारियां सौंपी गई। दिनेश कीर ने अपनी जिला कार्यकारिणी में सचिव मिठ्ठूलाल कीर कीरपुरा कला, कोषाध्यक्ष पद पर बंशीलाल जी कीर मोरवन, सूचना प्रभारी रमेश चंद्र कीर रावतपुरा, सह सचिव पद पर शंकरलाल कीर कीरपुरा खुर्द को मनोनीत किया। इसी प्रकार जिला कीर समाज युवा महासभा अध्यक्ष मनोहर कीर ने अपनी जिला कार्यकारिणी में जिला संरक्षक बापूलाल कीर रावतपुरा, जिला उपाध्यक्ष लोकेश कीर कीरपुरा खुर्द, जिला सचिव सांवरा कीर मोरवन, कोषाध्यक्ष विष्णु कीर मोरवन, जिला महामंत्री जितेंद्र कीर पिपलिया हाड़ी, सह सचिव गोविंद कीर रावतपुरा, सदस्यता प्रमुख नंदलाल कीर बेसदा को मनोनीत किया है। दोनों जिलाध्यक्ष दिनेश कीर व मनोहर कीर ने बताया कि जिला कार्यकारिणी के अगले विस्तार हेतु उगरान, रावतपुरा, बेसदा, भदाना, गंगाबावडी, मातारूडी, हाड़ी पिपलिया आदि क्षेत्रों में समाज जनों के साथ बैठक आयोजित कर सर्व सम्मति से कार्यकारिणी में नए लोगों को जोड़कर कीर समाज हित में समाज की उन्नति व प्रगति के लिए कार्य किया जाएगा। बैठक में आभार रामनिवास कीर मोरवन ने माना।

सीए इंस्टीट्यूट के चुनाव में मतदान हुआ

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंटस ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के चुनाव में 49 प्रतिशत मतदान हुआ। राष्ट्रीय व क्षेत्रीय परिषद के चार साल के कार्यकाल हेतु मतदान की प्रक्रिया सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक हुई। मंदसौर मतदान केन्द्र के चुनाव अधिकारी श्री संजीव मलिक ने बताया कि मंदसौर में 86 सीए ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया तथा अन्य शहरों में मंदसौर के 23 सीए ने मतदान किया। कुल 109 वोट गिरे। कुल वोर्टर्स की संख्या 224 थी। अंतिम वोट रात्रि 7.40 पर हुआ।

आपने बताया कि मतपत्र के द्वारा वोटिंग थी तथा प्रिंफेशियल वोटिंग के जरिये क्षेत्रीय परिषद में 12 सीटों के लिये 28 उम्मीदवार मैदान में थे तथा केन्द्रीय परिषद की 6 सीटों के लिये 20 उम्मीदवार मैदान में थे। मंदसौर सीए ब्रांच के चेयरमेन सीए दिनेश जैन ने बताया कि मतगणना का कार्य 19 दिसम्बर 2024 प्रात: 10 बजे से आईसीएआई भवन कानपुर में होगा।

आधार में मोबाइल नंबर नहीं, कैसे आयुष्मान बनवाए वरिष्ठ नागरिक

सेठिया ने की मांग-वार्ड में लगाया जाए आधार संशोधन शिविर

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का विस्तार करते हुए 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को आयुष्मान योजना के तहत सम्मिलित किया है इसके बाद प्रशासन द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाए जाना प्रारंभ भी कर दिए गए हैं लेकिन इसमें सबसे बड़ी बाधा बन रहा है आधार कार्ड का अपडेशन! क्योंकि कई बुजुर्गों के आधार कार्ड में उनका मोबाइल नंबर दर्ज नहीं है जिसके कारण उन्हें भारत सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के मंदसौर जिला अध्यक्ष दिलीप सेठिया ने एक प्रेस वक्तव्य जारी करते हुए बताया कि जिन वरिष्ठ नागरिकों के आधार में मोबाइल नंबर दर्ज नहीं है उनके लिए आधार केंद्र तक जाना मुश्किल है ऐसे में उन्हें आयुष्मान योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। इसलिए जिस प्रकार आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जा रहे हैं उसी प्रकार आधार अपडेशन के लिए भी प्रत्येक वार्ड में एक शिविर लगाया जाना अति आवश्यक है ताकि जो वरिष्ठ नागरिक आधार केंद्र तक अपने आधार कार्ड को अपडेट करने के लिए जाने में असमर्थ है उन्हें यह सुविधा अपने घर के नजदीक वार्ड में ही मिल सके। सेठिया ने जिला कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग से मांग करते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के हित में तत्काल प्रत्येक वार्ड स्तर पर आधार संशोधन शिविर लगाए जाने चाहिए ताकि वरिष्ठ नागरिक अपने आधार में संशोधन करवा कर भारत सरकार की आयुष्मान भारत योजना का लाभ ले सके।

एक्सपोजर विजीट देवडूंगरी माताजी क्षेत्र में किया भ्रमण

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की कक्षा के दौरान रविवार को लगने वाली कक्षा के दौरान एक्सपोजर विजिट देव डूंगरी माताजी क्षेत्र मे जिला अधिकारि तृप्ति बैरागी के नेतृत्व मे किया गया रुपदेव सिंह सिसोदिया द्वारा बताया कि छात्रों द्वारा निम्न गतिविधियां की जाना है, इसको लेकर गतिविधियों के दौरान छात्राओं द्वारा विभिन्न गतिविधियां की गयी। सर्वप्रथम देवडूंगरी माताजी का पूजन व दर्शन कर परिसर क्षेत्र पहाड़ी पर भ्रमण कर वह छात्रों को जल संवर्धन को लेकर शपथ दिलाई गई उसके बाद नीचे उद्यान मे एक पेड़ माँ के नाम तहत छात्रों द्वारा पौधरोपण किया गया। तथा उनके रख-रखाव हेतु टायर पेंट कर गमले लगाकर पौधरोपण किया गया। उसके पश्चात् छात्रों द्वारा निकट ही बालाजी मंदिर मे दर्शन कर परिसर मे सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ व भजन कीर्तन किये गए।उसके पश्चात् सभी का स्नेह भोज हुआ। इस अवसर पर पूरे परिसर क्षेत्र में गाइड के रूप में बंशीलाल राठौर इस क्षेत्र के बारे में बताया गया जन अभियान परिषद से श्रीमती अर्चना रामावत, दशरथ नायक,राजमल प्रजापति की उपस्थिति रही।

मतदाता शिक्षा और जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान को नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 मिलेगा

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिये सर्वोत्तम अभियान चलाने वाले मीडिया संस्थानों को भारत निर्वाचन आयोग नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 चार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान करेगा। आयोग ने 10 दिसम्बर 2024 तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं।भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को यह पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जायेंगे।प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन) मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो) मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट एवं सोशल मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। वर्ष 2024 में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न चार श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे। सभी नामांकनों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित जूरी द्वारा विचार कर निर्णय लिये जायेंगे।नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 से संबंधित विस्तृत विवरण (मेमोरेण्डम) कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की वेबसाइट www.ceo madhyapradesh.nic.in और जनसम्पर्क विभागकी वेबसाइट www.mpinfo.org पर उपलब्ध है। श्री राजेश कुमार सिंह, अवर सचिव (संचार), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली 110001 पर प्रस्ताव भेजे जा सकते हैं। संस्थान अपने प्रस्ताव मेमोरेण्डम में लिखी शर्तों का पालन करते हुए ई-मेल एड्रेस media-division@eci. gov.in पर भी भेज सकते हैं।

सौ से अधिक मरीजों का होगा नि:शुल्क मोतियाबिंद आपरेशन

मनासा, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नारायण सेवा परिवार मनासा के तत्वाधान में गोमा बाई नेत्रालय, नीमच के सहयोग से स्वर्गीय श्रीमती संपत बाई जी सारडा एवं स्वर्गीय श्रीमती लीला देवी सारडा की स्मृति में सारडा परिवार ,मनासा के सौजन्य से रविवार दिनांक 8 दिसम्बर 2024 निशुल्क को शासकीय अस्पताल मनासा में नेत्र शिविर आयोजित किया गया जिसमें 300 के लगभग मरीजों की ओपीडी पंजीयन कराकर आंखों की जांच करवाई उसमें से 106 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया इन 106 मरीजों को 10,11, 12 दिसंबर 24 को निशुल्क बस द्वारा गोमाबाई नेत्रालय नीमच ले जाया जाएगा और वहा उन्हें भर्ती करवाकर उनका ऑपरेशन कराके वापस उन्हें लाया जाएगा साथ ही संस्था के अध्यक्ष खन्ना बाहेती ने बताया कि यह नि:शुल्क 71 वा कैंप नारायण सेवा परिवार के तत्वाधान में आयोजित हुआ है आगे भी नारायण सेवा परिवार इसी प्रकार के सामाजिक कार्य करता रहेगा मरीजों को ओपीडी एवं ऑपरेशन के पश्चात चश्मे ,दवाई भी नि:शुल्क ही रहेगी नारायण सेवा परिवार, के अध्यक्ष खन्ना बाहेती, अनिल सारडा, अनिल जी यति राजेश सोडाणी, विजय मूंगड , ओम राव , गोविंद सोनी,नवनीत तोषनीवाल, विजय दरक, रामानुज झवर,गौरव मंत्री,विकास बसेर, अतुल पलोड,एवं अन्य पूरी नारायण सेवा की टीम एवं सारडा परिवार से रामनारायण जी ,पुनीत एवं अन्य पूरा परिवार शिविर में मरीजों के पंजीयन एवं अन्य व्यवस्थाओं में शामिल रहे।

विधायक परिहार एवं जिपं अध्यक्ष चौहान ने बच्चों को पोलियो खुराक पिलाकर...

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया

नीमच, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के साथ ही नीमच जिले में भी रविवार को पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। नीमच विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिंह चौहान जिला चिकित्सालय स्थित पोलियो बूथ पर अपने हाथों से बच्चों को पोलियो खुराक पिलाकर, पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार ने कहा, कि सभी शासकीय अस्पतालों में सरकार ने विभिन्न बीमारियों से सुरक्षा एवं बचाव के लिए टीकों की व्यवस्था की है। जिले को पोलियो मुक्त रखना है, तो बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाना जरूरी है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान ने कहा कि पोलियो खुराक पीने से एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए, यदि एक भी बच्चा छूटा, तो सुरक्षा तो चक्र टूटा। पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के शुभारंभ अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ,सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र पाटील, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.बी.एल.सिसोदिया, ,बीएमओ उपस्थित थे। पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने अटल बिहारी बाजपेयी नगर स्थित पोलियो बूथ का निरीक्षण कर बच्चों को अपने हाथों से पोलियो की खुराक पिलाई और पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बस्तील वासियों से उनकी

समस्यासओं के संबंध में चर्चा भी की। उल्लेखनीय है, कि नीमच जिले में पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के प्रथम दिवस रविवार 8 दिसम्बर को 0 से 5 वर्ष तक के एक लाख छह हजार बच्चों को 802 पोलियो बूथों पर पल्स पोलियो टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है, इसके लिए 16 हजार 04 कर्मचारियों को वैक्सीनेटर नियुक्त किया गया है। अभियान के पर्यवेक्षण के लिए 107 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है, जिले में 21 ट्रांजिट बूथ एवं 18 मोबाइल टीमें भी लगाई गई है। प्रथम दिन रविवार को पोलियो बूथ पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है वहीं 9 और 10 दिसम्बर को टीकाकरण दल के कर्मचारी घर-घर जाकर पोलियो खुराक पीने से शेष रहे बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पोलियो की खुराक पिलवाएंगे।

नीमच जिले में 60 हजार से अधिक बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक -जिले में संचालित पल्स पोलियो अभियान के तहत पोलियो रविवार को सायंकाल 4 बजे तक 0 से 5 वर्ष तक के कुल 60614 बच्चों को पोलियो रोधी दवाई पिलाई गई तथा अभियान निरंतर जारी है। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश प्रसाद ने बताया कि कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में जिले में आयोजित पोलियो अभियान का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिसमें 5 वर्ष तक के कुल लक्षित बच्चों 105273 के विरुद्ध 60614 बच्चों को दो बूंद पोलियो की दवाई पिलाई गई ।यह अभियान सतत जारी होकर अगले दो दिवस में शत प्रतिशत बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर दिनेश प्रसाद नस जिले के सभी पांच वर्ष तक के बच्चों के पालकों से अपील की है कि जिन बच्चों ने प्रथम दिवस दवाई नहीं पी है उनको अनिवार्य रूप से पल्स पोलियो की दवाई पिलवाए।

कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक अपराध चिंता का विषय-चौहान

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक अपराध चिंता का विषय है इसे हर हाल में समाप्त होना चाहिए। उपरोक्त विचार महिला एवं बाल विकास विभाग सहायक संचालक श्री प्रकाशचन्द्र चौहान ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर में हम होंगे कामयाब अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। श्री चौहान ने बताया कि इसके लिए कार्य स्थल पर महिलाओं की लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम 2013 बना हुआ है, इसके अंतर्गत जिस किसी भी संस्थान में (शासकीय हो या निजी) जहां 10 या 10 से अधिक लोग कार्यरत हैं वहां यौन उत्पीड़न रोकथाम समितियों के गठन के अनिवार्यत: प्रावधान किए गए है इसके अलावा प्रत्येक जिले में स्थानीय शिकायत समिति भी गठित है जहां पर किशोरियों या महिलाएं अपने साथ घटित यौन उत्पीड़न की शिकायत कर सकती हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लीड जिला प्रबंधक ने महिलाओं पुरुषों के साथ गठित होने वाले वित्तीय धोखाधड़ी पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन श्री सोनिक मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सहायक संचालक, लीड जिला प्रबंधक, डायरेक्टर आरएसईटीआई के अलावा शिक्षक/शिक्षिकाएं और वन स्टाप सेंटर के प्रतिनिधि शामिल हुए।

त्वरित टिप्पणी...

नीमच में युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र यादव के स्वागत समारोह में चले लात घूंसे

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस पार्टी, जो एक समय भारत की सबसे बड़ी और प्रभावशाली राजनीतिक पार्टी थी, आजकल अंदरूनी कलह और अनुशासनहीनता के कारण चर्चा में है। रविवार को नीमच में युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र यादव के स्वागत समारोह में जो दृश्य देखने को मिला, वह इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि पार्टी के नेताओं में एकजुटता और अनुशासन की भारी कमी है।

नेमीचंद राठौर

इस घटना में, स्थानीय युवा नेता अपनी-अपनी राजनीति चमकाने और भविष्य में जिला अध्यक्ष बनने की होड में आपस में भिड गए। मंच पर स्वागत के दौरान प्रदेश अध्यक्ष को पैदल ले जाने या बाइक पर ले जाने की मामूली बात को लेकर हुई यह गुथमगुथी न केवल कांग्रेस पार्टी के लिए शर्मनाक है, बल्कि यह उनके समर्थकों और जनता के बीच पार्टी की छवि को भी धूमिल करती है। पार्टी में अनुशासनहीनता और अहंकार की इस घटना का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विपक्षी दलों को कांग्रेस पर कटाक्ष करने का मौका मिल जाता है। भारतीय जनता पार्टी ने इस झगड़े पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे कांग्रेस की असमर्थता और विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो ने जनता के बीच कांग्रेस की साख को और कमजोर कर दिया है, जहां लोग इसे हास्य और व्यंग्य के रूप में देख रहे हैं। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी आंतरिक समस्याओं को सुधारने की दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। टिकट बंटवारे से लेकर स्वागत समारोह तक, हर अवसर पर पार्टी के नेता आपसी विवाद और झगड़ों में उलझे रहते हैं। यह न केवल

कांग्रेस को तुरंत आत्मविश्लेषण करना चाहिए

पार्टी के भीतर अनुशासन की कमी को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कांग्रेस नेताओं के बीच व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा ने सामूहिक लक्ष्य और पार्टी के आदर्शों को पीछे छोड़ दिया है। इसके अलावा, प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र यादव व सोमिल नाहटा की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। उन्होंने झगड़े को शांत करने का प्रयास किया, जो उनके नेतृत्व कौशल को दर्शाता है, लेकिन यह सवाल भी उठता है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अनुशासन लागू करने के लिए पहले से कोई योजना क्यों नहीं बनाई। यदि ऐसी घटनाएं बार-बार होती रहीं, तो पार्टी की विश्वसनीयता और उसके प्रति जनता का विश्वास पूरी तरह से खत्म हो सकता है।

इस स्थिति से निपटने के लिए कांग्रेस को तुरंत आत्मविश्लेषण करना चाहिए। पार्टी को अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच अनुशासन और एकजुटता कायम करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। इसके अलावा, पार्टी को ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से पहले सभी संभावित विवादों को हल करने और एक स्पष्ट मार्गदर्शन देने की जरूरत है ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। कांग्रेस के लिए यह घटना एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। यदि पार्टी ने अपनी आंतरिक कमजोरियों को दूर करने और जनता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने की दिशा में तुरंत कदम नहीं उठाए, तो वह और अधिक कमजोर हो सकती है। वर्तमान स्थिति में, कांग्रेस को न केवल विपक्ष की आलोचनाओं का सामना करना पड़ेगा, बल्कि जनता की नजरों में अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को भी वापस पाना होगा।

मंदसौर नगर के गौरव दिवस पर महापुरूषों की प्रतिमाओं के सामने दीप प्रज्वलित किये

सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा व विजय स्तंभ पर दीप प्रज्वलन कर नपा ने मनाया गौरव दिवस

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा विगत वर्षों कें अनुसार इस वर्ष भी मंदसौर नगर का गौरव दिवस मनाने हेतु दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। गौरव दिवस के उपलक्ष्य में कल शनिवार को प्रथम दिवस गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर सम्राट यशोधर्मन की कीर्ति को बताने वाले ग्राम सौंधनी के विजय स्तंभ परिसर में नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर के द्वारा दीप प्रज्वलित किये गये। गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर श्रीमती गुर्जर के द्वारा तेलिया तालाब पिकनिक स्पॉट पर स्थापित सम्राट यशोधर्मन की प्रतीमा के सामने भी दीप प्रज्वलित किये गये। ग्राम सौंधनी स्थित विजय स्तंभ पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के अवसर पर नपा सभापतिगण निलेश जैन, निर्मला नरेशचंदवानी, रमेश ग्वाला, दीपमाला रामेश्वर मकवाना, भावना जयप्रकाश पमनानी, पार्षदगण सुनीता नंदलाल गुजरिया, दीपक गाजवा, गोवर्धन कुमावत, आशीष गौड, माया नीलमचंद भावसार, गरिमा हितेन्द्र भाटी, रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, भाजपा महिला नेत्री श्रीमती निर्मला गुप्ता, भाजपा नेता अजीजुल्लाह खान, राजाराम तंवर, नपा मेला लिपिक राजेन्द्र नीमा, संजय खमेसरा के द्वारा भी दीप प्रज्वलित किये गये।

ते लिया तालाब पर सम्राटा यशोधर्मन की प्रतीमा के सामने नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर के नेतृत्व में नपा के जनप्रतिनिधियों व नगर के गणमान्य नागरिकों ने दीप प्रज्वलित किये। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गरिमा भाटी, दीपक गाजवा, कौशल्या बंधवार, समाजसेवी गिरजाशंकर मिश्रा, नरेन्द्र बंधवार, नंदलाल गुजरिय, संजय फाफरिया, सुरेश सिसौदिया, दीपक जोशी, सुनील रील ने भी दीप प्रज्वलित किये। राज्यसभा सांसद श्री गुर्जर ने भी दीप प्रज्वलित किये- राज्यसभा सांसद, भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर ने भी संजीत रोड स्थित महारानी लक्ष्मीबाई चौराहा पहुंचकर लक्ष्मीबाई की प्रतीमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित किये। उनके साथ नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, समाजसेवी डॉ. रविन्द्र पाण्डेय, क्षेत्रीय पार्षदगण आशीष गौड, सुनीता नंदलाल गुजरिया, पिंकी कमलेश सोनी, समाजसेवी कन्हैयालाल सोनगरा, पत्रकार कमलेश शर्मा सीतामऊ ने भी दीप प्रज्वलित किये। कई चौराहे पर महापुरूषों की प्रतिमाओं के सम्मुख दीप प्रज्वलित किये गये- मंदसौर नगर के गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार की शाम को सूर्यास्त के समय मंदसौर नगर पालिका परिषद के द्वारा महारानी लक्ष्मीबाई चौराहा के अलावा मंदसौर नगर में 12 अन्य स्थानों पर भी दीप प्रज्वलित किये गये। महाराणा प्रताप चौराहा, हेमु कालानी चौराहा, सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा, उधमसिंह चौराहा, डॉ. भीमराव अम्बेडकर चौराहा, नेहरू उद्यान बस स्टेण्ड, भारत माता चौराहा, पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रतीमा स्थल, महात्मा गांधी की प्रतीमा गांधी चौराहा, महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतीमा, पुरानी कृषि उपज मण्डी में भी जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों, कर्मचारियों के द्वारा दीप प्रज्वलित किये गये।

उपमुख्यमंत्री देवड़ा आज मल्हारगढ़ में करेंगे रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का शुभारंभ

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने बताया कि उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा 9 दिसम्बर को प्रात: 11 बजे मल्हारगढ में रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला का शुभारंभ करेंगे । उसके पश्चात दोप 02.00 बजे ग्राम उजागरिया में हितग्राहियों को सिलाई मशीन वितरण करेंगे। उसके पश्चात सायं 05.00 बजे नूतन स्टेडियम मन्दसौर में राष्ट्रीय शालेय हॉकी बालिका वर्ग प्रतियोगिता का शुभारम्भ करेंगे।

प्रदेश में 11 दिसंबर से मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान

नीमच, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव यादव ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वी.सी. के माध्यम से प्रदेश में 11 दिसंबर से प्रारंभ होने जा रहे 'जन कल्याण पर्व' की तैयारियों की समीक्षा की।

जन कल्याण पर्व के अंतर्गत 11 दिसंबर से 26 जनवरी जनवरी 2025 तक मध्यप्रदेश सरकार द्वारा महिला, किसान, युवा और गरीब कल्याण सहित विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्र के वार्डों में शिविर आयोजित कर हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उन्हें लाभान्वित किया जाएगा। विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित छत्तीस हितग्राही मूलक योजनाओं और 11 लक्षाधारित योजनाओं को शत प्रतिशत सैचुरेशन मोड पर ले जाया जावेगा और सभी शत प्रतिशत हितग्राहियों को लाभान्वित किया जावेगा। एनआईसी कक्ष नीमच में आयोजित इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जावदविधायक श्री ओम प्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार एवं मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध मारू जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान नीमच जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदाबाई धनगर एवं कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एसपी श्री अंकित जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं नगरीय निकायों के अध्यक्षगण उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक श्री मारू ने वन विभाग से अनुमति नहीं मिलने के कारण विभिन्न सडकों के कार्य प्रारंभ नहीं होने की और ध्यान आकृष्टकराते हुए वन विभाग से सडक निर्माण की अनुमति के लंबित प्रकरणों का निराकरण करवाने का आग्रह मुख्यमंत्री जी से किया।

पूरे भारतवर्ष की बेटियां मंदसौर के मैदान में खेलेगी हॉकी

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन के द्वारा 68वीं राष्ट्रीय शालेय हॉकी क्रीडा प्रतियोगिता (14 वर्ष से कम बालिका वर्ग) मंदसौर में आयोजित की जा रही है जिससे संबंधित जमीनी स्तर की सभी तैयारियां जैसे खेल मैदान, भोजन व्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था, आवास व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था को सभी संबंधित विभागों के समन्वय से जिला कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी एवं प्रतियोगिता के सचिव श्री लोकेंद्र डाबी द्वारा अंतिम रूप दिया गया.

जिला क्रीडा अधिकारी बंसीलाल बारीवाल ने बताया कि शनिवार शाम से ही विभिन्न राज्यों की हॉकी टीमों का आना प्रारंभ हो गया जिनकी आवास व्यवस्था तथा ठंड को देखते हुए गर्म पानी तथा अन्य सुविधाओं को भी ध्यान में रखकर छोटी से छोटी सुविधाओं का प्रबंध किया गया है. श्रीमती टेरेसा मिन्ज, श्रीमती विनीता प्रधान, सहायक संचालक श्री आनंद डावर, श्री केसी सोलंकी, श्री सुदीप दास, श्रीमती सुनीता गोधा, श्रीमती अलका अग्रवाल, श्री दिनेश जैन,श्रीमती ममता मोदी, श्री आशीष बंसल, श्री राकेश कुमार पुरोहित, श्री अशोक शर्मा, श्री राहुल शर्मा तथा विभिन्न समितियां के सदस्य अपने-अपने दायित्वों को पूर्ण कर रहे हैं. 9 दिसंबर सोमवार को सायं 5:00 बजे नूतन स्टेडियम ग्राउंड में प्रतियोगिता का मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, गणमान्य नागरिक पत्रकार साथियों, अधिकारी, कर्मचारी, विभिन्न खेल संघो के पदाधिकारी, खिलाडियों की उपस्थिति में विधिवत शुभारंभ होगा. खेल के इस राष्ट्रीय आयोजन में सभी सादर आमंत्रित हैं. उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी श्री हेमंत सुथार एवं श्री मुकेश जैन द्वारा दी गई

भारत में सैनिक शिक्षा अनिवार्य होना चाहिए-पाण्डेय

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सैनिक शिक्षा से देश के प्रत्येक नागरिक का समुचित विकास व देशप्रेम की भावना प्रभावी बनी रहेगी सैनिक शिक्षा से राष्ट्र के विकास को गति मिलेगी इसलिए भारत में सैनिक शिक्षा बहुत आवश्यक है सैनिक शिक्षा में बहुत अच्छाइयां है। इसलिये देश की आंतरिक व सीमापार की सुरक्षा और मजबूत करने के लिए भारत में सैनिक शिक्षा अनिवार्य होना चाहिए।

भारत सरकार से उक्त मांग सामाजिक कार्यकर्ता रविन्द्र पाण्डेय ने बताया कि जिन देशों में सैनिक शिक्षा अनिवार्य है उन देशों ने बहुत विकास किया है। सैनिक स्कूलों के छात्र को आदेशों का पालन करना सिखाया जाता है और वे प्रभावी रुप से देशभक्त नागरिक बनते हैं। सैनिकों में अनुशासन और आज्ञाकारी होने का प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही सैनिकों को दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाता है। सैनिकों को छेड़छाड़ और रास्तों पर होने वाले अपराधों से निपटने में सक्षम बनाया जाता है। सैनिकों को देश की शांति और सद्भाव बनाए रखने का काम सिखाया जाता है। सैनिकों को सभी के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी सौंपी जाती है। सैनिकों को सीमा की रखवाली करने और आपात स्थिति में उपस्थित रहने का काम सिखाया जाता है। सैनिक स्कूल और मिलिट्री स्कूलों में बच्चों को इस तरह से प्रशिक्षित किया जाता है कि वे आसानी से सशस्त्र बलों में शामिल हो सकें। सैनिक शिक्षा से धैर्य सहिष्णुता साहस एवं स्वावलम्बन को बढ़ावा मिलता है जिससे राष्ट्र आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होता है। निष्कर्ष यह है कि सैनिक शिक्षा व्यक्तिगत एवं राष्ट्रीय हित दोनों दृष्टियों से परमावश्यक है। सैनिक स्कूल में पढ़ने से ओर भी कई लाभ मिलते हैं, जिसमें अनुशासित वातावरण, समग्र शिक्षा, नेतृत्व विकास, शारीरिक फिटनेस पर ध्यान और देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना प्रबल होती है।

पल्स पोलियों अभियान का शुभारंभ

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पल्स पोलियों अभियान का जिला चिकित्सालय परिसर में पल्स पोलियों अभियान का शुभारंभ पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन द्वारा किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुवासरा में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, नगर परिषद अध्यक्ष एवं पार्षदगणों की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुरेश सोलंकी, डॉ. मनदीप सिंह मंडलोई पीओ यूएनडीपी उज्जैन संभाग उज्जैन, डॉ. रितेष बजाज एसएमओ डब्लयूएचओ एवं रोटरी क्लब अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जैन (योग गुरु) द्वारा बच्चों को पोलियों की दो बूंद पिलाकर शुभारंभ किया गया। जिले समस्त विकासखंडों में जनप्रतिनिधियों एवं ब्लॉक मेडिकल आफिसरों द्वारा बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री सहित जिले के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कल होगा भूमि पूजन

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने प्रेस नोट के माध्यम से बताया कि दिनांक 10 दिसंबर 2024 को प्रात: 11:30 बजे बाईपास स्थित हॉकी टर्फ मैदान के सामने भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर के नवीन कार्यालय का भूमि पूजन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव, मध्य प्रदेश ,प्रदेश भाजपा प्रभारी महेंद्र सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सहित जिले के अन्य जनप्रतिनिधि गणों की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न होगा। जिले के समस्त मंडल अध्यक्ष और जिला पदाधिकारी गण बंधुओ से आग्रह है कि इस कार्यक्रम में अपने-अपने मंडल क्षेत्र से बूथ समिति के साथ-साथ समस्त वरिष्ठजनों की कार्यक्रम में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने 10 दिसंबर को होने वाले नवीन भाजपा कार्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम हेतु कार्यक्रम स्थल पर जाकर वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधि गणों के साथ जाकर अवलोकन किया।

ठंड से बचाव हेतु बच्चों को स्वेटर वितरीत किए

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर रंगमंच ने नालछा माता मंदिर के सामने स्थित प्राथमिक स्कूल में ठंड से बचाव हेतु बच्चों को स्वेटर वितरण किये गये।

इस दौरान दशपुर रंगमंच के संस्थापक अभय मेहता ने बताया कि संगीत कार्यक्रम करते हुए हम सेवा प्रकल्प भी कर रहे है। जैसे छात्रों को स्टेशनरी वितरण, स्वेटर वितरण, ड्राईग कॉम्पीटीशन आदि प्रकल्प किये गये है। ललिता मेहता ने कहा कि भविष्य में हम सेवा प्रकल्पों की ओर बढायेंगे। जैसे स्कूलों में नेत्र परीक्षण, दंत परीक्षण आदि शिविर लगाये जायेंगे। सतीश सोनी एवं स्नेहलता सोनी ने कहा कि बच्चों के बीच आकर अलौकिक आनन्द मिलता है। प्रधान शिक्षिका मंजू द्विवेदी ने दशपुर रंगमंच के सदस्यों का पुष्पमाला से स्वागत किया। इस दौरान संजय द्विवेदी ने भी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रदेश में जनकल्याण अभियान 11 दिसंबर से 15 जनवरी तक चलेगा

अभियान के द्धारा वंचित पात्र हितग्राहियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की सेवाओं का लाभ दिया जाएगा

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ऑनलाइन वीसी के माध्यम से जनकल्याण अभियान के बारे में सभी जिलों के जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को बताया कि जनकल्याण अभियान 11 दिसंबर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक चलेगा। इस अभियान के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की 63 सेवाओं का लाभ वंचित व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा। इसके माध्यम से सभी ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों में शिविर आयोजित होंगे। शिविर के माध्यम से वंचित व्यक्तियों को लाभ प्रदान किया जाएगा। इस अभियान में बेहतरीन काम करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों को 26 जनवरी के दिन सम्मानित भी किया जाएगा। इसके साथ ही राजस्व महा अभियान भी अब 26 जनवरी तक चलेगा। इस दौरान मंदसौर एन आई सी कक्ष में राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, जनपद अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, पार्षद गण मौजूद थे।

शौर्य का राष्ट्रीय शालेय वालीबाल प्रतियोगिता में चयन

मंदसौर, 08 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 68वी मिनी राष्ट्रीय शालेय बालक /बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता 10 से 14 दिसंबर 2024 तक वाराणसी उत्तर प्रदेश में आयोजित की जाएगी , इस प्रतियोगिता के लिए मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन मंदसौर की खिलाडी शौर्य गेरा का 14 वर्ष की बालक टीम में भाग लेकर, मध्य प्रदेश मिनी बालक वॉलीबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। शौर्य गेरा नियमित वॉलीबॉल खेल का अभ्यास गरोठ एकेडमी में करता है।

शौर्य का चयन होने पर मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री नरेंद्रसिंह चौहान एवं सदस्यगण विनय दुबेला, संदीप खाबिया, शेर मोहम्मद खान, सज्जन श्रीमाल, त्रिभुवन कवीश्वर, रोहित शर्मा, अनिल पाटीदार, रउफ खान, रितेश पोरवाल, अनिल पाटीदार, मिलिंद सांखला, रंजन छाबड़ा, राजेंद्र सिंह, अभिषेक सेठिया, अक्षय नलवाया, मोहित शर्मा, शैलेंद्र मसीही, अभिषेक यादव, पंकज मालवीय, चयन माली, आशीष रेठा, एंब्रोज वॉल्टर , चंदन शर्मा, आस्था भावसार, नारायण सिंह, विनय अग्रवाल, संयम चौहान, नमन शर्मा, दिव्यांशी गुप्ता, नेहा सालवी कविता मेघवाल, आकृति जैन, माधव जोशी, जानवी हाडा, साक्षी ग्वाला, और जिला खेल एवं युवक कल्याण विभाग मंदसौर के खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा, जिला क्रीडा अधिकारी मंदसौर श्री बंशीलाल बारीवाल, पीजी कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार ,पी.जी कॉलेज दलौदा के खेल अधिकारी अब्दुल रजाक, पूर्व क्रीडा अधिकारी मंदसौर अशोक शर्मा, उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर के, वरिष्ठव्यायाम शिक्षक श्री महेंद्र शुक्ला, महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उ.मा.वि मंदसौर की वरिष्ठव्यायाम शिक्षिका श्रीमती शांता व्यास, शा. लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल उ.मा. विद्यालय मंदसौर के व्यायाम शिक्षक श्री रघुवीर मालवीय व जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की यह जानकारी जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर व कोच अभिषेक सेठिया ने दी।

ट्रेक्टर सहित कुए में गिरे... पेज 1 से जारी

सहित कुए में गिरे किसान बंशीलाल पिता भंवरलाल विश्वकर्मा को निकालने के लिए देर रात्रि रेस्क्यू चला। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे। करीब 100 फिट गहरे कुए से ट्रेक्टर सहित गिरे किसान को निकालने के लिए 2 क्रेन, 1 जेसीबी की मदद ली व कुए का पानी खाली करने के लिए सात विद्युत मोटर लगाई गई। करीब 10 बजे ट्रेक्टर को बाहर निकाला गया। वहीं रात्रि 1 बजे बंशीलाल का शव बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया।

NAME CHANGE

I **BURHANUDDIN S/O ALI HUSAIN** HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO **BURHANUDDIN BOHRA S/O ALI HUSAIN** HENCEFORTH, I SHALL BE KNOWN AS **BURHANUDDIN BOHRA S/O ALI HUSAIN** FOR ALL FUTURE PURPOSES.

ADDRESS :- TEHSIL ROAD WARD N 07 SUWASRA 458888

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in